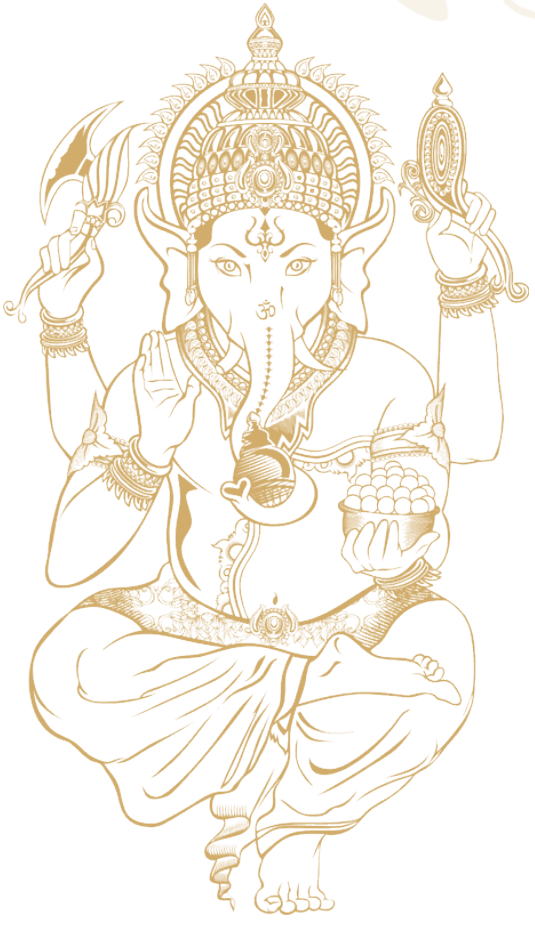

Mr.aditya

Ms.ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121380202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/04/1998	जन्म तिथि	01/09/2000
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:07:00	जन्म समय	06:35:00 घंटे
घटी 12:35:33	जन्म समय(घटी)	01:03:54 घटी
India	देश	India
Mhow	स्थान	Indore
22:32:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:49:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:44	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:46	सूर्योदय	06:08:59
18:47:56	सूर्यास्त	18:43:14
23:49:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:44

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 17वर्ष 7मा 10दि	21:03:04	मिथु	लग्न	सिंह	20:10:30	चन्द्र 2वर्ष 7मा 5दि
चन्द्र	04:09:39	मेष	सूर्य	सिंह	15:02:37	राहु
28/11/2021	14:55:29	धनु	चंद्र	कन्या	19:52:06	08/04/2010
28/11/2031	10:02:05	मेष	मंगल	कर्क	26:01:19	07/04/2028
चन्द्र 28/09/2022	16:08:44	मीन व	बुध	सिंह	24:18:20	राहु 19/12/2012
मंगल 29/04/2023	23:07:37	कुंभ	गुरु	वृष	16:03:34	गुरु 15/05/2015
राहु 28/10/2024	18:55:58	कुंभ	शुक्र	कन्या	07:14:13	शनि 20/03/2018
गुरु 27/02/2026	00:06:58	मेष	शनि	वृष	06:59:56	बुध 07/10/2020
शनि 28/09/2027	15:23:13	सिंह व	राहु व	मिथु	29:49:28	केतु 25/10/2021
बुध 27/02/2029	15:23:13	कुंभ व	केतु व	धनु	29:49:28	शुक्र 25/10/2024
केतु 28/09/2029	18:33:30	मक	हर्ष व	मक	24:10:40	सूर्य 19/09/2025
शुक्र 30/05/2031	08:15:34	मक	नेप व	मक	10:26:06	चन्द्र 21/03/2027
सूर्य 28/11/2031	13:50:45	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:19:27	मंगल 07/04/2028

लग्न-चलित

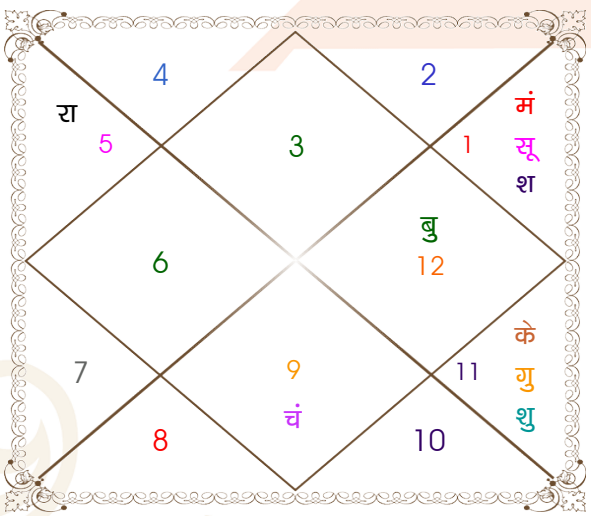

लग्न-चलित

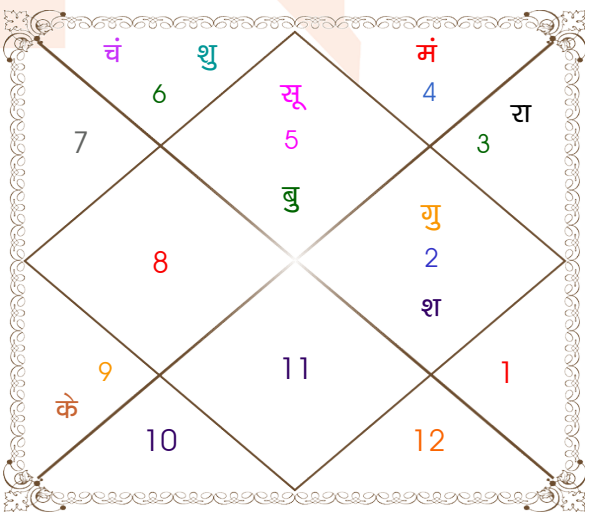

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण्कपजलं का वर्ग मूषक है तथा Ms.ayushi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्कपजलं और Ms.ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्कपजलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.ayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्कपजलं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्कपजलं तथा Ms.ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।